भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी उपस्थित थे।

प्रॉपर्टी की नई गाइड लाइन लागू

राजधानी के कोलार, सलैया, अयोध्या बायपास-मिसरोद में संपत्ति सबसे महंगी; औसतन 7.19 प्रतिशत दाम बढ़े

भोपाल (काप्र)।

लोकसभा चुनाव के चलते एक अप्रैल से प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन लागू नहीं हुई थी। जिसे चुनाव आयोग की अनुमति के बाद बुधवार से लागू कर दिया गया है। कुल 1443 लोकेशन पर औसतन 7.19 प्रतिशत गाइड लाइन यानि, कलेक्टर रेट बढ़ा दिए हैं।

कोलार, सलैया, अयोध्या बायपास और मिसरोद में प्रॉपर्टी सबसे महंगी हो गई है, क्योंकि यहां पर गाइडलाइन 25 प्रतिशत से लेकर 94 प्रतिशत तक बढ़ी हैं। शहर से जुड़े इलाकों में बसी 22 कॉलोनियां भी गाइडलाइन से जुड़ गई हैं। यानी, अब तय गाइडलाइन के हिसाब से ही रजिस्ट्री होगी। पहले गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू होनी थी, लेकिन लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक मप्र ने इसे स्थगित कर दिया था। इस वजह से भोपाल समेत प्रदेशभर में नई गाइडलाइन लागू नहीं हुई थी। बुधवार को केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष और महानिरीक्षक पंजीयन एम. सेलवेंद्रन ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को नई गाइडलाइन के संबंध में निर्देश जारी कर दिए। इसमें बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग ने गाइडलाइन वर्ष 2024-25 को लागू किए जाने से संबंधित प्रस्ताव पर अनापत्ति प्रदान की है। इसलिए आज से ही गाइडलाइन लागू कर दी जाती है। इसके चलते गाइडलाइन 3 अप्रैल से ही लागू हो गई है।

सबसे ज्यादा 1228 लोकेशन शहरी इलाकों की

भोपाल में कुल 3900 लोकेशन हैं। इनमें शहर में 3110 और ग्रामीण क्षेत्रों में 790 लोकेशन हैं। नई प्रस्तावित गाइडलाइन में कुल 1443 लोकेशन में गाइड लाइन बढ़ाई गई है। जिनमें शहरी क्षेत्र में 1228 और ग्रामीण क्षेत्र में 215 लोकेशन शामिल हैं। जिला मूल्यांकन समिति ने प्रस्तावित गाइडलाइन पर चार दिन तक सुझाव मांगे थे। इस पर कुल 20 सुझाव आए थे।

मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश रहेगा

सहायक श्रमायुक्त भोपाल संभाग ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार भोपाल जिले में 07 मई को मतदान होगा। मतदान दिवस को किसी भी कारोबार व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम अथवा अन्य किसी भी स्थापना में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश प्रदान किए जाने के निर्देश हैं। उन्होंने बताया कि उक्त दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना सुनिश्चित करें,जिससे सभी श्रमिक, कर्मचारी सुगमतापूर्वक अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें।

फरार पूर्व कुलपति और कुलसचिव के खिलाफ जारी होगा लुक आउट नोटिस

भोपाल (काप्र)।

करोड़ों रुपये की जालसाजी को लेकर लगातार सुर्खियों में चल रहे राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविघालय के तत्कालीन कुलपति, कुलसचिव, वित्त नियत्रंक की गिरफ्तारी के लिये जहॉ ईनाम घोषित किया गया है। वहीं आरोपी सुनील कुमार और राकेश सिंह के विरूद्ध लुक आउट नोटिस जारी करने के लिए भी विभाग की और से गृह मंत्रालय को पत्र भी लिखा है।

पुलिस को आशंका है कि यह दोनों आरोपी देश से बाहर भी जा सकते हैं। बीती 3 मार्च को आरजीपीवी के कुल सचिव डॉ. मोहन सेन ने आरोपी सुनील कुमार तत्कालीन कुलपति, आर.एस. राजपूत, तत्कालीन कुलसचिव, ऋषिकेश वर्मा, तत्कालीन वित्त नियंत्रक, कुमार मयंक, दलित संघ सोहागपुर सहित अन्य के खिलाफ विश्वविद्यालय में बीते सालों में अनियमितता एवं अनाधिकृत रूप से आपराधिक षड्यंत्र रच कर विश्वविद्यालय की 19 करोड़ 48 लाख की रकम निजी खातों में जमा करवाने की रिपोर्ट थाना गांधीनगर में दर्ज कराई थी। गॉधीनगर पुलिस ने धारा 420ए, 467ए, 468ए, 120ठ, ए409, 7ए 13(1) ए 13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में मामला कायम किया था। पुलिस ने मामले में एक आरोपी कुमार मयंक को 22 मार्च को गिरफ्तार कर लिया, जिसे रिमांड के बाद कि गई पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। अधिकारियों का कहना है की आरोपी सुनील कुमार गुप्ता, राकेश सिंह राजपूत, ऋषिकेश वर्मा के खिलाफ फर्जी दस्तावेज तैयार कर हेराफेरी करते हुए आर्थिक लाभ लेने के उद्देश्य से विश्वविघालय की शासकीय रकम 19.48 करोड निजी खातों में ट्रांसफर करने और गबन करने के आरोप जॉच में सही पाये गये हैं। वीसी समेत आरजीपीवी के तीनों आरोपी फरार हैं। सूत्र बताते हैं कि एफआईआर दर्ज होने के दो दिन पहले से ही ये सभी अपने घरों से भाग गए थे। अभी इनके घरों पर ताले लटके हैं। अफसरों का कहना है कि उनकी धरपकड़ के प्रयास जारी है सभी आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिये भूमिगत हो गये हैं। पुलिस उपायुक्त जोन-04, द्वारा आरोपी सुनील कुमार गुप्ता, राकेश कुमार राजपूत, ऋषिकेश वर्मा की गिरफ्तारी पर 3-3 हजार रूपये का ईनाम घोषित करते हुए ईनाम की रकम बढाने के लिये आला अफसरों को पत्र भी भेजा गया है। वहीं आरोपी सुनील कुमार गुप्ता एवं आरोपी राकेश सिंह राजपूत के विरूद्ध लुक आउट नोटिस जारी करने के लिए भी विभाग की और से गृह मंत्रालय को पत्र भी लिखा है।

बड़े बाबा के दरबार में एकत्रित हो रहा छोटे बाबा का संघ

भारत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में जैन साधु-साध्वी कुंडलपुर में हो रहे एकत्र

भोपाल (काप्र)।

आचार्य गुरुदेव 108 श्री विद्यासागर महाराज संघ के भावी आचार्य प्रथम ज्येष्ठ निर्यापक मुनिश्री समयसागर महाराज का ससंघ डोंगरगढ़ से मंगल विहार बड़े बाबा कुंडलपुर जैन तीर्थक्षेत्र के लिए चल रहा है।

नौ अप्रैल को कुंडलपुर में समाज सागर महाराज के संघ की भव्य आगवानी की संभावना है। निर्यापक मुनि श्री योगसागर महाराज, समता सागर महाराज का 5 या 6 अप्रैल को कुंडलपुर प्रवेश संभावित है। निर्यापक मुनिश्री नियमसागर महाराज, मुनि श्री पवित्र सागर महाराज का मंगल प्रवेश 6-7 अप्रैल को कुंडलपुर में संभावित है। निर्यापक मुनि सुधासागर महाराज का कुंडलपुर प्रवेश 4 अप्रैल, मुनिश्री विनीत सागर महाराज का 9 अप्रैल को कुंडलपुर प्रवेश संभावित है। निर्यापक मुनिश्री वीरसागर महाराज का प्रवेश 9 अप्रैल को मुनि श्री निर्वेग सागर का कुंडलपुर में प्रवेश 8 अप्रैल को, मुनि श्री विमल सागर, मुनि श्री सुब्रत सागर, मुनि श्री अविचल सागर, मुनि श्री दुर्लभ सागर, मुनिश्री संधानसागर का मंगल प्रवेश कुंडलपुर में 12 अप्रैल को संभावित है।

मुनिश्री आगम सागर, मुनिश्री पुनीत सागर, मुनिश्री धर्मसागर, भावसागर का 4 अप्रैल को कुंडलपुर में प्रवेश संभावित है। मुनिश्री शैलसागर, मुनिश्री अचलसागर जी का 7 अप्रैल को कुंडलपुर में मंगल प्रवेश संभावित है। मुनिश्री शाश्वत सागर, आर्यिका गुरुमति माता, आर्यिका दृढमतिजी, आर्यिका गुणमति माता, आर्यिका अनंतमति, आर्यिका पूर्णमति माता जी का 4 अप्रैल को कुंडलपुर प्रवेश है। आर्यिका मृदुमतिजी, आर्यिका अकंपमति माता जी का संघ सहित मंगल प्रवेश होगा। आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज संघ के सभी मुनिराज और माताजी निरंतर कुंडलपुर के लिए विहार कर रहे हैं। कुंडलपुर तीर्थ क्षेत्र के बड़े बाबा के सानिध्य में मुनि श्री प्रमाण सागर, निर्णय सागर, प्रसाद सागर, अभय सागर, प्रयोग सागर, प्रबोध सागर, प्रणम्य सागर, प्रभात सागर, अजित सागर, संभव सागर, विशद सागर, विराट सागर, सौम्य सागर, विनम्र सागर, निर्दोष सागर ससंघ और आर्यिका संघ सहित (82 पिच्छी) कुंडलपुर के बड़े बाबा के दरबार में विराजमान हैं। 15 अप्रैल को विधान का आयोजन किया गया है इसके पूर्व सभी मुनि संघ कुंडलपुर पहुंच जाएंगे। कुंडलपुर क्षेत्र में बड़े व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है पहली बार कुंडलपुर तीर्थ क्षेत्र में बड़े बाबा का समोशरण लगने जा रहा है। जिसमें 400 से अधिक पिछिधारी मुनिराज, आर्यिका माताजी, हजारों की संख्या में ब्रह्मचारी भैया और बहनें बड़े बाबा के समोशरण में पहुंच रहे हैं। लगभग 50000 से ज्यादा श्रद्धालु 15 एवं 16 अप्रैल को कुंडलपुर पहुंच रहे हैं। पहली बार भारत में इतनी बड़ी संख्या में साधु- साध्वी एक जगह एकत्रित हो रहे हैं। आचार्य पद का पदारोहण कार्यक्रम होने जा रहा है।

रेलवे स्टेशन पर साधारण टिकिट के लिए सदैव एक से अधिक खिड़की खुली रखने की मांग

भोपाल (काप्र)।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के द्वारा संचालित ग्राहक सेवा मार्गदर्शन केन्द्र पर अनेक पीड़ित ग्राहकों द्वारा समस्या बतायी गई है कि रानी कमलापति स्टेशन पर, रात्रि के समय दोनो ओर सामान्य टिकिट के लिए केवल एक खिड़की कार्यशील रहती है, इसलिए रात्रि में जब भी एक से अधिक ट्रेनें स्टेशन पर आती हैं तो सामान्य टिकिट के लिए लम्बी लाइन लगी लग जाती है। परिणामस्वरूप ट्रेन छूटने के भय से यात्रियों को अत्यधिक तनाव से गुजरना पडता है और अनेक यात्रियों की ट्रेन छूट जाती है व अनिवार्यता की स्थिति में बिना टिकिट ट्रेन में चढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है जो कि अपराध है।

अत: संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी से भेंट की और इस समस्या के समाधन के लिए रात्रि में सामान्य टिकिट के लिए एक से अधिक खिड़की कार्यशील बनाए रखने हेतु व्यवस्था बनाने की मांग की ताकि ग्राहक व्यथित/पीड़ित होने से बच सकेंगे। प्रतिनिधि मंडल में दीपक चौरसिया, सुरेन्द्र रघुवंशी, अनुराग रावत, शैलेन्द्र रघुवंशी आदि ग्राहक कार्यकर्ता सम्मिलत रहे।

इंडिया गठबंधन से संबद्ध राजनैतिक दलों की बैठक 6 अप्रैल को भोपाल में

भोपाल (काप्र)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर गठित इंडिया गठबंधन से मप्र से संबंधित राजनैतिक दलों की संयुक्त बैठक शनिवार, 6 अप्रैल को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आहूत की गई है। बैठक में लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर संयुक्त गठबंधन की चुनावी रणनीति पर वृहद चर्चा होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के मीडिया सलाहकार के.के. मिश्रा ने बताया कि 6 अप्रैल को प्रात: 10 बजे से होने वाली इस बैठक में इंडिया गठबंधन से संबद्ध समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी और एनसीपी दलों के प्रमुख नेता हिस्सा लेंगे। श्री मिश्रा ने कहा कि जिस तरह हमारी विपरीत विचारधारा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को सरेराह लूटा जा रहा है, हमारा गठबंधन अपनी खुली आंखों से इस लूट को लंबे समय तक नहीं देख सकता है। लिहाजा, इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर खुली चर्चा की जायेगी। मौजूद सभी पार्टी प्रमुखों की एक संयुक्त पत्रकारवार्ता भी बैठक के बाद आयोजित होगी। उक्त संदर्भ में श्री पटवारी के निर्देश पर सभी राजनैतिक दलों के प्रमुखों से दूरभाष पर चर्चा कर उनकी स्वीकृति भी ली जाकर उन्हें आमंत्रण पत्र भी प्रेषित कर दिये गए हैं।

बटालियन कमांडर कॉन्क्लेव प्रारंभ

भोपाल (काप्र)।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय द्वारा सुल्तानिया इन्फैंट्री लाइन्स में बटालियन कमांडर कॉन्क्लेव -2024 का आयोजन किया गया है। एनसीसी डायरेक्टरेट के अनुसार कॉन्क्लेव के माध्यम से प्रशिक्षणिक वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों और कमियों पर गौर किया गया। कॉन्क्लेव में वर्ष 2024-25 के लिये रोड मैप भी प्रस्तुत किया गया।

कॉन्क्लेव में प्रस्तुत मैप में निदेशालय में भिन्न स्पर्धा और ट्रैनिंग में और सुधार संबंधी तथ्यों को दर्शाया गया है। वर्ष 2023-24 में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय ओवर ऑल छठे स्थान पर रहा जो कि 5 स्थानों की बेहतरी थी। कॉन्क्लेव की अगुवाई मेजर जनरल अजय कुमार महाजन, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय कर रहे है। उन्होंने वर्ष 2024-25 के लिये अपनी योजना एवं रूपरेखा बटालियन कमांडरों के साथ साझा की। कॉन्क्लेव में निदेशालय के प्रर्दशन की बेहतरी के लिये कारगार सुझाव भी प्राप्त किये।

एम्स के सुखमनजीत प्रतिष्ठित खुराना स्कॉलर प्रोग्राम के लिए चयनित

भोपाल (काप्र)।

एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने एमबीबीएस के अंतिम वर्ष के छात्र सुखमनजीत बरार को प्रतिष्ठित खुराना स्कॉलर प्रोग्राम के लिए चुने जाने पर बधाई दी है। खुराना स्कॉलर प्रोग्राम भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), और इंडो-यूएस विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। जिसके अन्तर्गत प्रतिभागी को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में 10-12 सप्ताह का शोध करने का अवसर मिलता है। इसके सारे आवश्यक खर्चों को डीबीटी और आईयूएसएसटीएफ द्वारा वहन किया जाता है। सुखमनजीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत में सभी धाराओं से चुने गए शीर्ष 5000 स्नातक शोध छात्रों में 24वां स्थान प्राप्त किया । जबकि देश भर में चुने गए 9 मेडिकल छात्रों में से एक हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति सुखमनजीत के समर्पण और अनुसंधान के प्रति जुनून का प्रमाण है।

सुखमनजीत को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को में सेंटर फॉर इंटेलिजेंट इमेजिंग के रेडियोलॉजी और बायोमेडिकल इमेजिंग विभाग में शोध करने का अवसर मिला है। जहाँ वह कार्डियक एंड पल्मोनरी इमेजिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों पर ध्यान केंद्रित करते हुए नैदानिक और ट्रांसलेशनल रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा का दावा

छह अप्रैल को एक लाख कांग्रेसियों को जोडक़र बनाएंगे कीर्तिमान

भोपाल (काप्र)।

पूर्व गृह मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर एक ही दिन में एक लाख कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल कर कीर्तिमान बनाएंगे। भाजपा लोगों को ऐसे बटोर रही है, मानो कोई एक भी छूट गया तो जाने क्या हो जाएगा।

हर दिन दूसरी पार्टी के छोटे-बड़े नेता पार्टी में शामिल किए जा रहे हैं। सरपंच से लेकर पूर्व विधायक-सांसद और संगठन में सक्रिय कार्यकर्ता तक इसमें शामिल हैं। दरअसल, इस बार जिस तरह कांग्रेस के नेता थोकबंद तरीके से भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उसके पीछे न्यू ज्वाइनिंग टोली है और इसके प्रभारी नरोत्तम मिश्रा ही हैं। नरोत्तम मिश्रा का दावा है कि अभी तक 18 हजार कांग्रेसियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। छह अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर भोपाल मुख्यालय से लेकर प्रदेश के एक-एक बूथ तक एक दिन-एक समय में एक लाख कांग्रेसी भाजपा की सदस्यता लेंगे। इससे एक कीर्तिमान बनेगा।

प्रदेश के चुनावी इतिहास में ऐसा पालाबदल नहीं देखा गया। 2023 के विधानसभा चुनाव में 48 प्रतिशत वोट और कुल 230 में से 163 सीटें जीतने वाली भाजपा, दूसरी पार्टियों खासकर कांग्रेस के नेताओं को शामिल कर के क्या हासिल करना चाहती है- सभी 29 लोकसभा सीटों पर कब्जा कर के इतिहास रचना या प्रदेश को वाकई कांग्रेसमुक्त करना? दरअसल, इस बार भाजपा कोई भी जोखिम लेने के मूड में नहीं है। वह कांग्रेस को कमजोर करने के अलावा प्रदेश की उन पांच लोकसभा सीटों पर भी जीत पक्की करना चाहती है जो उसे मुश्किल लगती है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हारी जरूर, मगर उसे 40 प्रतिशत वोट मिले थे। सीटें भले ही उसे 66 मिलीं। विधानसभा चुनाव के आकड़ों से पता चलता है कि भाजपा पांच लोकसभा क्षेत्रों, छिंदवाड़ा, मंडला, ग्वालियर, मुरैना और भिंड में बढ़त हासिल करने में असफल रही। यही नहीं, इन आकड़ों से 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना की जाए, तो भाजपा की बढ़त पांच अन्य लोकसभा सीट- टीकमगढ़, बालाघाट, धार, खरगोन और रतलाम में भी मामूली है। मतलब कुल दस लोकसभा सीटों पर भाजपा की पकड़ कमजोर है।

दो दिन पहले मत प्रतिशत के लिए ऐप लोड करना होगा अधिकारियों को

भोपाल (काप्र)। लोकसभा चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। अधिकारियों की ट्रेनिंग के साथ साथ अब चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत हर दो घंटे में जारी करने के लिए निर्वाचन आयोग ने ऐप जारी किया है। मतदान प्रतिशत ऐप के माध्यम से नियुक्त पीठासीन अधिकारी अपनी सभी जानकारियां हर दो घंटे में लोड करेंगे।

जिले के प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए नियुक्त पीठासीन अधिकारी अपने अपने मोबाइल पर मतदान दिवस के दो दिन पूर्व अनिवार्य रूप से मत प्रतिशत ऐप लोड कर लें, वहीं एक दिन पूर्व मोबाइल ऐप पर लागिंग कर लें। सामग्री प्राप्ति से लेकर मतदान दल रवाना होने और मतदान समाप्ति, मतदान केंद्र से वापसी, सामग्री जमा करने तक की समस्त जानकारी इस ऐप पर लोड की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने निर्देश जारी करते हुए सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि पीठासीन अधिकारी द्वारा सही-सही जानकारी समय-समय पर दर्ज की जाए, उसका पूरा ख्याल रखा जाए।

निर्वाचन आयोग के निर्देश के आधार पर ऑनलाइन माध्यम से गूगल मीट द्वारा अधिकारियों को उसका प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं दूसरे दौर का प्रशिक्षण 15 अप्रैल को दिया जाएगा। निर्देश में साफ उल्लेख किया गया है कि इस ऐप के माध्यम से सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को मतदान दल की ट्रेनिंग के दौरान अपनी-अपनी विधानसभा के पीठासीन अधिकारियों के मोबाइल पर उक्त ऐप डाउनलोड कराना सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही द्वितीय रेण्डमाइजेशन के बाद दल गठन होने और मतदान दलों की ड्यूटी तय होने के पूर्व इस ऐप पर केंद्रवार पीठासीन अधिकारियों की मोबाइल नं. की सूची भी एक्सेल फार्मेट में लोड की जाएगी।

अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जा रहे मोबाइल नम्बरों के आधार पर सूची तैयार की जाएगी। मतदान के एक दिन पूर्व तक यदि किसी अधिकारी को अपना मोबाइल नं. बदलना है तो उसे परमिशन लेना होगी। हालांकि इसकी परमिशन भी मत प्रतिशत के डेस्कबोर्ड से ही दी जाएगी। सभी सेक्टर अधिकारियों को पीठासीन अधिकारियों की ऐप के इस्तेमाल में मदद करना होगी। ज्ञात हो कि उक्त ऐप के माध्यम से हर दो घंटे में मत प्रतिशत की जानकारी अपलोड कराना अनिवार्य किया गया है। उक्त ऐप को अधिकारियों के लिए आसान बनाया गया है। गूगल प्ले स्टोर पर जाकर यह ऐप लोड किया जा सकता है।